6th JPSC Mains - Model Paper–1

प्रश्न पत्र–II

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

समय: 3 घंटे

पूर्णांक: 150

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

खंड (अ)

1. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिये- **अंक : 25**

(क) पुरानी हिन्दी

(ख) अपभ्रंश

(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी

(घ) रचनात्मक भाषा

(ङ) संज्ञा

2. हिन्दी भाषा की शब्द व्यवस्था तथा शब्द संपदा पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये। **अंक : 10**

3. हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक उद्भव तथा विकास पर प्रकाश डालिये। **अंक : 10**

4. मानक हिन्दी के सर्वनामों का सोदाहरण विवेचन कीजिये। **अंक : 15**

5. राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा से आप क्या समझते हैं? राजभाषा के रूप में हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालिये। **अंक : 15**

खंड (ब)

6. निम्नलिखित पदों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये: **अंक : 25**

(क) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखाबनहार।।

(ख) हमसों कहत कौन की बातें?
सुनी ऊधो! हम समझत नाहीं फिरि पूछति हैं तातें।
को नृप भयो कंस किन मार्‌यो को बसुधौ-सतु आहि।
यहाँ हमारे परम मनोहर जीजतु है मुख चाहि।।

(ग) विश्व की दुर्बलता बल बने पराजय की बढ़ता व्यापार।
हँसाता रहे उसे सविलास, शक्ति का क्रीड़ामय संचार।
शक्ति के विद्युत्करण जो व्यस्त विकल विखरे है, हो निरुपाय,
समन्वय उसका करे समस्त विजयिनी मानवता हो जाय!

(घ) विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था जिसे पकड़े हुए वह सागर को पार कर रही थी। इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी, मानो झटका देकर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा, बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना-शक्ति आ गई थी। काना कहने से काने को जो दु:ख होता है, वह क्या दो आँखों वाले आदमी को हो सकता है?

(ङ) और अब एक बड़ी विचित्र बात हुई। हामिद के इस चिमटे से भी विचित्र। बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई। वह रोने लगी। दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती थीं और आँसू की बड़ी-बड़ी बूँदें गिराती जाती थीं। हामिद इसका रहस्य क्या समझता।

7. हिन्दी साहित्योतिहास लेखन की समस्या एवं परंपरा पर प्रकाश डालिये। **अंक : 10**

8. छायावादी काव्य में निहित वैयक्तिकता की चेतना पर प्रकाश डालिये। **अंक : 10**

9. हिन्दी की आंचलिक उपन्यासधारा की विवेचना कीजिये। **अंक : 15**

10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिये: **अंक : 15**

(क) वैश्विक ऊष्मन

(ख) गरीबी अपराध की जननी है

(ग) चुनाव सुधार वर्तमान की मांग

(घ) साहित्य समाज का दर्पण है